



DEPARTMENT OF SANSKRIT

महात्मागाँधीकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, बिहारः

मानविकी एवं भाषासङ्कायः

संस्कृतविभागः

स्नातकोत्तर (एम.ए.) पाठ्यक्रमः

क्रेडिट योगः- 96

(Nature of Course: - CC - Core course, EC- Elective Course, OE- Open Elective)

प्रथमसत्रम् (1st Semester):-

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृतिः
SNKT4001	वैदिकवाङ्मयम्	ऋग्वैदिकसूक्तानि- अग्निसूक्तम् (१.१) हिरण्यगर्भसूक्तम् (१०.१२१) पुरुषसूक्तम् (१.९०) नासदीयसूक्तम् (१०.१२९) अस्यवामीयसूक्तम् (१.१६४) नदीसूक्तम् (१०.७५) च निरुक्तम् (प्रथमद्वितीयाध्यायौ)	4	CC
SNKT4002	संस्कृतव्याकरणम्	संस्कृतव्याकरणपरम्परा वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञाप्रकरणं परिभाषाप्रकरणञ्च)	4	CC
SNKT4003	संस्कृतमहाकाव्यम्	नैषधीयचरितम् (प्रथमः सर्गः) छन्दोपरिचयः	4	CC
SNKT4004	भारतीयदर्शनम्	तर्कभाषा साङ्ख्यकारिका	4	CC
SNKT4005	धर्मशास्त्रम्	याज्ञवल्क्यस्मृतिः (व्यवहाराध्यायः) मनुस्मृतिः (द्वितीयोऽध्यायः) अर्थशास्त्रम् (प्रथममधिकरणम्- १-१० अध्यायाः)	4	CC
SNKT4006	सङ्गणकीयबोधः	MS Office tools, Interacting Sanskrit teaching learning tools, Using Internet / Emails	04	EC
SNKT4007	संस्कृतसञ्चारदक्षता	संस्कृतसम्भाषणं लेखनदक्षता च	04	OE
	योगः		28	



DEPARTMENT OF SANSKRIT

द्वितीयसत्रम् (2nd Semester):-

Credit courses

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृति
SNKT4008	लघुसिद्धान्तकौमुदी	सन्धिप्रकरणम्	4	CC
		सुबन्तप्रकरणम् (राम-रमा-ज्ञानम्-प्रक्रियासिद्धिः)		
		तिङन्तप्रकरणम् (भू-एध्-प्रक्रियासिद्धिः)		
SNKT4009	दृश्यकाव्यम्	उत्तररामचरितम् (सम्पूर्णम्)	4	CC
SNKT4010	काव्यशास्त्रम्	काव्यप्रकाशः (प्रथमद्वितीयोल्लासौ)	4	CC
		ध्वन्यालोकः (प्रथमोद्योतः)		
SNKT4011	योगदर्शनम्	पातञ्जलयोगसूत्रं व्यासभाष्यसहितम् (समाधिपादः)	4	CC
		श्रीमद्भगवद्गीतायां चतुर्विधयोगः (कर्म-ज्ञान-भक्ति-अभ्यासः)		
		प्रायोगिकयोगः (आसन-प्राणायाम-ध्यान-समाधयः)		
SNKT4012	पाण्डुलिपिविज्ञानम्	पाण्डुलिपिविद्या (परिचयः प्रकारः संरक्षणञ्च)	4	EC
		शिलालेखः (जूनागढ-इलाहाबाद-ऐहोल-नालन्दा)		
SNKT4013	संस्कृतवाङ्मये स्त्रीविमर्शः	वैदिकसाहित्ये स्त्री	4	OE
		लौकिकसाहित्ये स्त्री		
	योगः		24	

तृतीयसत्रम् (3rd Semester):-

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृति
SNKT4014	भाषाविज्ञानम्	भाषायाः प्रकाराः वर्गीकरणं ध्वनिपरिवर्तनस्य अर्थपरिवर्तनस्य च कारणानि	4	CC
		ग्रिम-नियमः ग्रासमैन-नियमः बर्नर-नियमश्च		
SNKT4015	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	कारकप्रकरणम्	4	CC
SNKT4016	गीतिकाव्यम्	मेघदूतम् (उत्तरमेघः)	4	CC
		गीतगोविन्दम् (प्रथमपञ्चमसर्गौ)		
SNKT4017	भारतीयसंस्कृतिः	पुरुषार्थचतुष्टयं वर्णाश्रमव्यवस्था षोडशसंस्काराश्च	4	CC
		भारतीयशिक्षा-कला-सामाजिकव्यवस्था-पारिस्थितिकीयचिन्तनञ्च		
SNKT4018	भारतीयदर्शनम्	वेदान्तसारः	4	EC
		अर्थसङ्ग्रहः		
SNKT4019	नव्यन्यायः	नव्यन्यायपरम्परा	4	OE
		नव्यन्यायभाषाप्रदीपः (महेशचन्द्रन्यायरत्नविरचितः)		
	योगः		24	



DEPARTMENT OF SANSKRIT

चतुर्थसत्रम् (4th Semester):-

कस्याप्येकस्य विशिष्टविषयस्य चयनं कर्तव्यम्
Select any one (Group-A/ Group-B/ Group-C/ Group-D)

Group –A वेदः

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृति
SNKT4020A	वैदिकव्याकरणं	ऋग्वेदभाष्यभूमिका	4	CC
	व्याख्यापरम्परा च	वैदिकव्याकरणम्		
SNKT4021A	ब्राह्मणसाहित्यम्	शतपथब्राह्मणम् (प्रथमकाण्डम्)	4	CC
		ऐतरेयब्राह्मणम् (शुनःशेषाख्यानम्)		
SNKT4022A	वैदिकसूक्तम्	शिवसङ्कल्पसूक्तम् (३४.१-६)	4	CC
		राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् १.२९ पृथ्वीसूक्तम् १.२०		
SNKT4023A	उपनिषत्साहित्यम्	बृहदारण्यकोपनिषद् (याज्ञवल्क्य-मैत्रेयीसंवादः)	4	OE
		मुण्डकोपनिषद्		
SNKT4024A	परियोजनाकार्यम्		4	CC
	योगः		20	

Group- B साहित्यम्

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृति
SNKT4020B	संस्कृतकाव्यशास्त्रम्	काव्यप्रकाशः (नवमदशमोल्लासौ)	4	CC
		रसगङ्गाधरः (प्रथमाननं –रसस्वरूपनिरूपणपर्यन्तम्)		
SNKT4021B	नाट्यशास्त्रम्	नाट्यशास्त्रम् (षष्ठोऽध्यायः) अभिनवभारतिटीकासहितम्	4	CC
		दशरूपकम् (प्रथमद्वितीयप्रकाशौ)		
SNKT4022B	संस्कृतनाटकम्	मुद्राराक्षसम्	4	CC
		मृच्छकटिकम्		
SNKT4023B	आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्	आधुनिकसंस्कृतसाहित्यपरम्परा	4	OE
		मत्तवारिणी		
SNKT4024B	परियोजनाकार्यम्		4	CC
	योगः		20	

(Nature of Course: - CC - Core course, EC- Elective Course, OE- Open Elective)



DEPARTMENT OF SANSKRIT

Group – C दर्शनम्

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृति
SNKT4020C	सर्वदर्शनसङ्ग्रहः	चार्वाकदर्शनं बौद्धदर्शनं जैनदर्शनञ्च	4	CC
SNKT4021C	न्याय-वैशेषिकदर्शनम्	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्डः) वैशेषिकसूत्रोपस्कारः	4	CC
SNKT4022C	अद्वैतवेदान्तदर्शनम्	ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (चतुस्सूत्री)	4	CC
SNKT4023C	योगदर्शनं मीमांसादर्शनञ्च	योगदर्शनम् (साधनपादः) शाबरभाष्यम् (तर्कपादः)	4	OE
SNKT4024C	परियोजनाकार्यम्		4	CC
	योगः		20	

Group – D व्याकरणम्

कूटसङ्ख्या	पाठ्यशीर्षकम्	पाठ्यविषयाः	क्रेडिट	पाठ्यप्रकृति
SNKT4020D	व्याकरणमहाभाष्यम्	पस्पशाह्निकम्	4	CC
SNKT4021D	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	आत्मनेपद-परस्मैपदविधानम् तद्धितप्रकरणम् (मत्वर्थीयप्रत्ययाः)	4	CC
SNKT4022D	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	समासप्रकरणम् स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम्	4	CC
SNKT4023D	वाक्यपदीयम्	वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्)	4	OE
SNKT4024D	परियोजनाकार्यम्		4	CC
	योगः		20	



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- I

COURSE CODE- SNKT4001

CREDIT - 04

COURSE TITLE: वैदिकवाङ्मयम्

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course will introduce Vedic intellectual traditions to the students. The purpose is to promote students for a profound knowledge of Vedic Studies. An elaborate study of Vedic Hymns, Nirukta in particular so that Vedic Knowledge systems may be understood theoretically as well as in applied manner.

Course Contents:

1. Introduction to Vedic Literature
2. Principles of Interpretations of Vedic Hymns
3. Textual study of the selected Ṛigveda Sūktās- Agni (1.1), Hiraṇyagarbha (10.121), Puruṣa (1.90), Nāsadiya (10.129), Asyavāmīya (1.164), Nadīsūktam (10.75)
4. Textual study of Nirukta- (1, 2 Chapters)

Recommended Readings:

- ऋक्सूक्तसंग्रह- (सम्पादक) हरिदत्तशास्त्री, साहित्यभण्डार, मेरठ,
- ऋक्भाष्यसंग्रह- (सम्पादक) देवराजचानना, मुंशीलाल मनोहरलाल पब्लिशर्स, दिल्ली, १९८३
- वेदमञ्जरी- (सम्पादक) शीलाडागा (विद्यालंकार) विद्यानिलयम्, दिल्ली, २००१
- वेदसमुल्लास(सम्पादक) सत्यभूषण योगी एवं वन्दिता मधुहासिनी अरोडा, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी, २००२
- वैदिक संग्रह, डॉ. कृष्ण लाल, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली,
- वैदिकपरिशीलन, डॉ. शशिप्रभाकुमार, विद्यानिधिप्रकाशन, नईदिल्ली,
- निरुक्त- यास्क (सम्पादक) प्रो. उमाशंकरशर्मा 'ऋषि', चौखम्भाविद्याभवन, वाराणसी, २००१
- निरुक्त – पञ्चाध्यायी-(व्याख्याकार) महामहोपाध्याय छज्जूराम शास्त्री, मेहरचन्द्र लक्ष्मणदास पब्लिकेशन्स, दिल्ली, १९८५
- निरुक्त-यास्क, टीकाद्वय-सहित (सम्पादक) लक्ष्मणस्वरूप, भाग १-२, दिल्ली, १९८२
- निरुक्त के पांच अध्याय- (सम्पादक एवं अनुवादक) पं. शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिकल बुक हाऊस, दिल्ली, १९७२
- *Hymns of the Rigveda*, (Eng. Trans.) R.T.H. Griffith, Delhi: Munshiram Manoharlal, 1989.
- Brhaddevata, R.K. Rai, Varanasi: Varanasi: Chanukah Prakashan.
- Nighantu and Nirukta, L. Sarup, Delhi: MLBD, 1982.
- Vedic Bibliography, R.N. Dandekar, Pune: BORI, 1978.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- I

COURSE CODE- SNKT4002

CREDIT - 04

COURSE TITLE: संस्कृतव्याकरणम्

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course is formulated towards a cavernous study of Sanskrit grammar in depth. The intent is to grasp the structure of Sanskrit Language in the light of Siddhantakaumudi in general and Sanjna, Paribhasa Prakarans in particular.

Course Contents:

1. Origin and Development of Sanskrit Grammar
2. Sañjñāprakaraṇa of Vaiyākaraṇa-Siddhāntakaūmudī.
3. Paribhāṣāprakaraṇa of Vaiyākaraṇa-Siddhāntakaūmudī.

Recommended Readings:

- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनी टीका) सं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (प्रथम भाग), गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1994
- संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास-3 भाग, युधिष्ठिर मीमांसक, सोनीपत, 1974.
- संस्कृत व्याकरण का उद्भव एवं विकास, सत्यकाम वर्मा, दिल्ली
- पाणिनिकालीन भारतवर्ष, वासुदेवशरण अग्रवाल, पटना, 1969
- पतञ्जलिकालीन भारतवर्ष, प्रभुदयाल अग्निहोत्री, पटना, 1963
- System of Sanskrit Grammar, S.K Belvalkar, Delhi
- Panini: A Survey of Research, George Cardona, Delhi, 1980.
- Panini to Patanjali: A Grammatical March, Delhi, 2004.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- I

COURSE CODE- SNKT4003

CREDIT - 04

COURSE TITLE- संस्कृतमहाकाव्यम्

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course aims to introduce Sanskrit Chandas (meters) and epic tradition with special study of Naiṣhadhiyacaritam- (Canto-1).

Course Contents:

This course aims to introduce Sanskrit Chandas (meters) and epic tradition with specific study of Naiṣhadhiyacaritam (Canto-1) The intention is to develop a profound understanding of epics of our ancient culture.

Recommended Readings:

- छन्दोमञ्जरी, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- नैषधीयचरित का अभिनव समीक्षात्मक एवं व्याख्यात्मक अध्ययन, शिवबालक द्विवेदी, शिक्षक प्रकाशन, कानपुर
- नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्गः), डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ
- नैषधीयचरितम्, आचार्य शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, २०१२
- नैषधीयचरितम्, डॉ. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी, २०१२
- नैषधीयचरितम्, मोहनदेव पन्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २०११
- नैषधीयचरितम्, श्री बदरीनारायण मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, २०१२
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी, १९९०
- संस्कृतसाहित्यस्य इतिहासः धीरेन्द्रनाथ बन्दोपाध्यायः, संस्कृत पुस्तक भण्डार, कोलकाता
- History of Sanskrit Literature, A.B Keith, MLBD, New Delhi.
- History of Classical Sanskrit Literature, Krishnamachariar, MLBD, Delhi.
- A Concise History of Sanskrit Literature, Gaurinath Shastri, MLBD, Delhi.
- Indian Literature (Vol. I-III), also Hindi Translation, Maurice Winternitz, MLBD, Delhi.
- History of Sanskrit Poetics by P.V. Kane and its Hindi translation by Indrachandra Shastri, Motilal Banarasidas, Delhi, 1961.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- I

COURSE CODE- SNKT4004

COURSE TITLE: भारतीयदर्शनम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course is designed to introduce Indian Philosophical Tradition to the students. To dispense a descriptive review and study of Nyaya and Samkhya for basic understanding of epistemology of Sanskrit contextual study.

Course Contents:

1. Introduction to Indian Philosophical Systems.
2. Basic concepts of Nyāya and Sāṃkhya Philosophy.
3. Textual study- Tarkabhāṣā.
4. Textual study- Sāṃkhyakārikā)

Recommended Readings:

- तर्कभाषा, आचार्य बदरीनाथ शुक्ल, मोतिलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1979.
- तर्कभाषा, गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2017.
- तर्कभाषा, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1972.
- भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतिलाल बनारसीदास.
- भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी, 2001.
- वैशेषिक दर्शन में पदार्थनिरूपण, शशिप्रभा कुमार, डी. के. प्रिन्टवर्ल्ड, नई दिल्ली, २०१२
- सांख्यकारिका, डॉ.ओम प्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, २०१३
- सांख्यदर्शनम्, डॉ.रामनाथ झा, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली,
- सांख्यकारिका, आचार्य निगम शर्मा, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली, २००७
- साङ्ख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण, व्याख्याकार- राकेश शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली, 2004
- साङ्ख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण, व्याख्याकार- बिमला कर्णाटक, चौखम्बा ओरियन्टलिया, वाराणसी, 1984
- साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी, व्याख्याकार- आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- History of Indian Philosophy, S.N. Das Gupta, M.L.B.D, Delhi, 1975.
- Outline of Indian Philosophy, M. Hiriyanna, London, 1956.
- Indian Philosophy, S. Radhakrishnan, Oxford University Press, 1990. (Also, Hindi Translation)
- Relevance of Indian Philosophy in modern context, Dr. Shashi Prabha Kumar, Nag Publisher, 1993



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M. A. SEMESTER- I

COURSE CODE- SNKT4005

COURSE TITLE- धर्मशास्त्रम्

CREDIT -04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course will be introducing ancient Indian jurisdiction providence as well as an integrated social system. The study of original Sanskrit sources analysing administration aiming to have a profound understanding of traditions and collateral review.

Course Contents:

1. Introduction to Dharmaśāstra tradition
2. Yājñavalkya Saṁhitā (Vyabahārādhyāya)
3. Manusmṛti (2nd Chapters)
4. Kautilya Arthaśāstra (Prathamādhikarṇa 1-10 Chapters)

Recommended Readings:

- याज्ञवल्क्यस्मृति, मिताक्षरा टीका सहित, डॉ. गङ्गासागर राय, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, दिल्ली,
- याज्ञवल्क्यस्मृति, श्रीमन्मिश्र, चौखम्भा, संस्कृत सीरीज, वाराणसी
- मनुस्मृति: (कूल्लूकभट्ट कृत टीका सहित), जगदीशलाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
- मनुस्मृति, स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती, पुस्तक मंदिर, मथुरा, संवत् २०१९
- विशुद्ध मनुस्मृति, डॉ.सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारीबावली, दिल्ली,
- कौटिल्य अर्थशास्त्र, हिन्दी व्याख्या सहित, वाचस्पति गैरोला, वाराणसी
- कौटिल्य अर्थशास्त्र संस्कृत टीका सहित, सं. टी.गणपति शास्त्री, त्रिवेन्द्रम्,
- धर्मशास्त्र का इतिहास पी.वी.काणे, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
- History of Dharmashastra, P.V.Kande, BORI,Pune
- Kautilya's Arthashastra, R.Ramashastry
- Yajyavalkyasmriti, M. N Datta, Chaukhamba Sanskrit Series, Varanasi



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- I

COURSE CODE- SNKT4006

CREDIT -04

COURSE TITLE: सङ्गणकीयबोधः

Nature of Course: Elective Course

Course Objectives:

This course is designed to impart fundamental knowledge of computer application. Integrated software for rational Sanskrit teaching and stipulated learning programs.

Course Contents:

1. MS Office Tools
2. Interacting Sanskrit Teaching Learning Tools
3. Internet, E-mail

Recommended Readings:

- MS Windows 2000/XP Manual.
- MS Office help Manual.
- Computer Basics, G. Manjunath
- Class notes.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- I

COURSE CODE- SNKT4007

CREDIT -04

COURSE TITLE: संस्कृतसञ्चारदक्षता

Nature of Course: Open Elective

Course Objectives:

To determine and define the importance of Sanskrit Language in common usage in multifarious dimensions among the society, to promote the significance and influence of Sanskrit Speaking in Contemporary society scientifically and its practice as a communicative language to develop a cultural perspective and enhance writing skills among the students.

Course Contents:

1. Sanskrit speaking ability.
2. Sanskrit writing ability.

Recommended Readings:

- प्रथमा दीक्षा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, २००२
- बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चन्द्रहंस नौटियाल, मोतिलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९९५
- भाषापाकः, जनार्दन हेगडे, संस्कृत भारती, बेंगलूरु
- भाषाप्रवेशः जनार्दन हेगडे, संस्कृत भारती, बेंगलूरु
- संस्कृत स्वयं शिक्षक, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली
- संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A SEMESTER- II

COURSE CODE- SNKT4008

CREDIT - 04

COURSE TITLE: लघुसिद्धान्तकौमुदी

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

The aim of this course is to introduce Sandhi, Subanta, Tinganta Prakaraṇā and kṛdanta of Laghusiddhāntakaūmudī for in depth study of nominal and verbal structure of Sanskrit words

Course Contents:

1. LaghuSiddhāntakaūmudī- Sandhi Prakaraṇam
2. Laghusiddhāntakaūmudī- SubantaPrakaraṇam (Ram, Rama and Jnan- Prakriyasiddhih)
3. Laghusiddhāntakaūmudī- TingantaPrakaraṇam (Bhu, Edh-Prakriyasiddhih)

Recommended Readings:

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा, भाग-१-३, वाराणसी, २००७
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, भाग १-६, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली, २००८
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- Linguistic Introduction to Sanskrit, B.K. Ghosal, Calcutta, 1937.
- An Introduction to Sanskrit Linguistics, M. Srimannarayana Murti,
- The laghusiddhāntakaumudī of Varadarāja, Kashiram, MLBD, Delhi, 2010



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- II

COURSE CODE- **SNKT4009**

CREDIT-**04**

COURSE TITLE- **दृश्यकाव्यम्**

Nature of Course: **Core course**

Course Objectives:

The aim is to apprise and accustom the learners with growth and development of drama in Sanskrit Literature, to imbibe the basic principles of Sanskrit Drama in comparison to European Drama indulging critical approach among the scholars towards drama as a classification and categorization and further study various phenomenal trends of Sanskrit Drama.

Course Contents:

1. Introduction to text and Author, Definition of Drama.
2. Basic concept of Sanskrit Rupaka and Classification.
3. Uttarrāmcaritam of Bhavabhuti.

Recommended Readings:

- उत्तररामचरितम्, कपिलदेव द्विवेदी, शान्तिनिकेतन ज्ञानपुर, वाराणसी, २०११
- उत्तररामचरितम्, कृष्णकान्त त्रिपाठी एवं विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, भारती प्रकाशन चौक, कानपुर
- उत्तररामचरितम्, आनन्दस्वरूप, मोतिलाल बनारसीदास, दिल्ली
- उत्तररामचरितम्, किशोरनाथ झा, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ, उ. प्र.
- Uttararamacarita of Bhavabhuti, Ed. M.R.Kale, Motilal Banarsidass Publishers, Delhi.
- Uttararamacaritam with the comm. Ghanasyama with notes by P.V. Kane, tr. by C.N.Josh, Motilal Banarasidas, Delhi, 1962.
- The Sanskrit Drama, A.B. Keith, Oxford University Press, 1964.
- Sanskrit Natak (A.B Keith), Translate by Udaybhanu Singh, MLBT, Delhi.
- Studies in Dramatic Criticism, T.G. Mankar, MLBD, Delhi.
- Philosophical Reflections in the Nai-adhacarita, Harekrishna Meher, Punthi-Pustak, Calcutta, 1989.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-II

COURSE CODE- SNKT4010

CREDIT - 04

COURSE TITLE: काव्यशास्त्रम्

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

The purpose is to familiarize the students with Sanskrit Poetics and its descriptions in various aspects and order of Sanskrit Literature, to explore and enlighten the indispensable foundations of Sanskrit Poetics and to inculcate and infuse an exploratory critical analysis amongst the students.

Course Contents:

1. Introduction to text and Author, Definition of poetics.
2. Basic concept of Kavyaprakash and Dhvnyaloka, Significance of Poetics.
3. Kavyaprakash of Mammata (1st and 2nd Ullasa).
4. Dhvnyaloka of Anandavardhan. (1st Uddyota)

Recommended Readings:

- काव्यप्रकाश (बालबोधिनी टीका सहित), झलकीकर, भण्डारकर प्राच्यविद्या संशोधन मन्दिर, पुणे
- काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड
- काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्यभण्डार, मेरठ
- काव्यप्रकाश, सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन, व्या. आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
- ध्वन्यालोक, रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- ध्वन्यालोक, शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- ध्वन्यालोकः, आनन्दवर्धन, आचार्य जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- II

COURSE CODE- SNKT4011

COURSE TITLE: योगदर्शनम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This paper deals dualistic philosophical system of Indian philosophy in the contest of evolution theory of cosmos and applied human psychology. Aim of this paper is to know the deep knowledge of Samkhya-Yoga Philosophical system through textual study with appropriate commentary, so that relevance of aforementioned philosophy can be grasped and utilized in human behavior properly.

Course Contents:

1. Introduction to various models of Yoga Philosophy.
2. Pātañjalayogasutram with Vyasabhasm (Samadhipada)
3. Śrīmadbhagvatgītāyam Caturvidhayoga (karma, jñāna, bhaktī, abhyāsa)
4. Applied Yoga

Recommended Readings:

- गीता प्रवचन, आचार्य विनोबा भावे, सर्वसेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी, १९१७
- गीताप्रवेशः, संस्कृतभारती, नई दिल्ली
- पातञ्जलयोगदर्शनम् (व्यासभाष्यसहितम्), सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, १९९३.
- पातञ्जलयोगदर्शनम्, व्याख्याकार- स्वामी हरिहरानन्द 'आरण्यक' मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली
- भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी, २००१
- योगसूत्रभाष्यम्, स्वामी सच्चिदानन्द योगी सरस्वती, सच्चिदानन्द योग मिशन, दिल्ली
- श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस गोरखपुर
- श्रीमद्भगवद्गीता, जयदयाल गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर, संवत्- २०७०
- श्रीमद्भगवद्गीता, सामर्पणभाष्य, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, गुरुकुल प्रभात आश्रम, टीकरी, मेरठ
- Indian Philosophy, S. Radhakrishnan, Oxford University Press, 1990. (Also, Hindi Translation)



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-II

COURSE CODE: SNKT4012

CREDIT - 04

COURSE TITLE: पाण्डुलिपिविज्ञानम्

Nature of Course: Elective Course

Course Objectives:

The course is framed to introduce Intellectual heritage of Indians which functions as a bridge between India's past and present. The course would study structure and history of the Manuscriptology to Writing methods, Manuscript materials etc. The holistic approach of aforementioned course will be- learn to preserve and preserve to learn.

Course contents:

1. Introduction to Manuscriptology.
2. Types of Manuscripts, writing traditions and writing materials.
3. Manuscript libraries and Cataloguing Systems.
4. Indian Inscriptions (Junagar, Illahabad, Aihole, Nalanda).

Recommended Readings:

- तत्त्वबोध (सम्पा.) दीप्ति त्रिपाठी, राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, दिल्ली ।
- पाण्डुलिपि विज्ञान, सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर ।
- भारतीय पाण्डुलिपि विज्ञान, कुमुदिनी पाण्डेय, महावीर प्रेस, वाराणसी ।
- भारतीय पुरालिपि एवं अभिलेख, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, १९९४।
- विश्व के प्राचीन संस्कृत अभिलेख, लक्ष्मी विलास पार्थसारथी, वाणीविलास प्रकाशन, ऋषिकेश ।
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद ।
- Buhler G, Indian Paleography, Munshiram Manoharam lal, New Delhi.
- Indian Epigraphy, D.C Sircar, MLBD, Delhi, 1996.
- Katre, S.M. (with P.K.Gode), Introduction to Indian Textual criticism, Poona Deccan College, 1954.
- Murthy, R.S. Shivaganesh, Introduction to Manuscriptology, Sharada Publication House, Delhi, 1996.
- Pandurangi, K.T. Wealth of Sanskrit Manuscripts in India & Abroad, Bangalore.
- Thakur, Jayant P., Manuscriptology and Text Criticism, Oriental Institute, Baroda.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A SEMESTER –II

COURSE CODE- **SNKT4013**

CREDIT- 04

COURSE TITLE: संस्कृतवाङ्मये स्त्रीविमर्शः

Nature of Course: Open Elective

Course Objectives:

To make the students aware about the diverse feminine energy as the essence of the cosmos since the ancient times of Vedas and also to illustrate how women had been depicted as an empowering force, composed identity and creation, and to state that the dignity and integrity of women was the base of our ancient culture. The aim is also to develop a critical understanding and enhance a correlation between the ancient and the contemporary times.

Course contents:

1. Women in Vedic Sanskrit literature.
2. Women in Classical Sanskrit literature

Recommended Readings:

- भारतीय स्त्री (सांस्कृतिक सन्दर्भ), प्रतिमा जैन, संगीता वर्मा, रावत पब्लिकेशन, १९९८
- महाभारतकालीन नारी, स्कोलास्टिका कुजुरु, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, २००१
- रामायणकालीन नारी, स्कोलास्टिका कुजुरु, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, २००१
- वेदों में नारी, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदोही, उ. प्र.
- वैदिक नारी, रामनाथ वेदालंकार, समर्पण शोध संस्थान, साहिबाबाद, गाजियाबाद, २०००
- वैदिक संहिताओं में नारी, डॉ० मालती शर्मा, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, १९९०
- Hindu Social Organization, P.H. Prabhu, Bombay, 1961.
- History of Dharmasastra, P.V. Kane
- The Position of Women in Hindu Civilization, A.S. Altekar, Banaras, 1938.
- Women in Ancient India, Clarisse Bader, Chowkhamba Sanskrit Series Varanasi, 1964.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-III

COURSE CODE- SNKT4014

CREDIT- 04

COURSE TITLE: भाषाविज्ञानम्

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

The course of linguistics is designed to introduce the students to the classification of language family, phonology, morphology, Different laws, and theories of language in order to enable the learners to develop reasonable exposure in Sanskrit language.

Course contents:

1. Introduction of Linguistics.
2. Origin in Development and Classifications of Languages.
3. Phonetics & Sementics.
4. Grim, Grassman & Barner Lows.

Recommended Readings:

- तुलनात्मक भाषाविज्ञान, अनु. भोलानाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली
- भाषाविज्ञान की भारतीय परम्परा और पाणिनि, डॉ.रामदेव त्रिपाठी, बिहार राष्ट्रभाषा-परिषद्, पटना
- भाषाविज्ञान, डॉ. कर्ण सिंह,साहित्य भण्डार,मेरठ
- भाषाविज्ञान, डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- भाषाविज्ञान, डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड,दिल्ली
- भाषाविज्ञान-समीक्षा, प्रो.द्वारिका प्रसाद 'द्वारिकेश' रीगल बुक डिपो,दिल्ली,१९५४
- भाषाविज्ञान-सार, डॉ.राममूर्ति, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- सैद्धान्तिक भाषाविज्ञान, जॉन लियोन्स, अनु.सत्यकाम वर्मा, मुंशीराम मनोहरलाल, नई दिल्ली
- An Introduction to Sanskrit Linguistics, M.Srimannarayan Murty, D.K. Publication, Delhi 1984
- Elements of the Science of Language, Taraporewala, Calcutta University Press, Calcutta 1962.
- Introduction to Comparative Philology, P.D.Gune, Chaukhamba Sanskrit Pratisthan,2005
- Sanskrit Language, T. Burrow, Chaukhamba Vidya Bhavan, Varanasi,1991



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A SEMESTER-III

COURSE CODE- SNKT4015

CREDIT - 04

COURSE TITLE: वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course intends to introduce Karakas and Vibhaktis in this light of Siddhāntakaūmudī to train students for acquiring the knowledge of scientific structure of Sanskrit Language.

Course Contents:

1. Introduction to Karaka
2. General outline and Vibhakti.
3. Siddhāntakaūmudī- Karak Prakaran.

Recommended Readings:

- अष्टाध्यायीसूत्रपाठः, रामलाल कपूर ट्रस्ट, सोनीपत, हरयाणा
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (बालमनोरमा-तत्त्वबोधिनी टीका) सं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1994.
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010.
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, भ्वादिगण, शिवनारायण शास्त्री, दिल्ली, 1989.
- Sanskrit Syntax, J.S. Taraporevala, Delhi, 1967.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-III

COURSE CODE- SNKT4016

COURSE TITLE: गीतिकाव्यम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

The conception is to inculcate the students with the fundamental Principles of Lyric Poetry in Sanskrit Poetics, to induce the Scholars with originality to the mainstream and to develop a critical analytical approach towards the constituent parts of Sanskrit Lyric Poetry and to acknowledge the magnificent beauty of Lyric Poetry as opposed to dramatic poetry in Sanskrit Literature.

Course Contents:

1. Basic concept of lyric poetry.
2. Introduction to text and Author, Definition of Lyric Poetry.
3. Meghaduta of Kalidasa (Uttarmegha)
4. Gitagovinda of Jaydeva (1st and 5th Chapter)

Recommended Readings:

- गीतगोविन्दम्, डॉ. कपिला वात्स्यायन,
- गीतगोविन्दम्, डॉ. पी. वी. एस. सुब्रह्मण्यम्,
- मेघदूतम्, डॉ. विजेन्द्र कुमार, साहित्य भण्डार मेरठ,
- मेघदूतम्, रमाशंकर त्रिपाठी, जनार्दनशास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- मेघदूतम्, संसारचन्द्र एवं मोहनदेवपन्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००३
- Meghasandesa, Pub: Balamanorama Press, Madras.
- Meghduta: Ek Adhyayana, Basudev Saran Agrawal, Rajkamal Prakashan, Delhi.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- III

COURSE CODE- SNKT4017

CREDIT - 04

COURSE TITLE: भारतीयसंस्कृतिः

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course aims at introducing the students / learners to the great traditions and ancient cultural heritage of India. To imbibe the reverential attitude among students towards integrated vision of Indian history regarding Polity, Religion, Culture, Etc.

Course contents:

1. Introduction of Indian Culture
2. Ancient Indian Society & Civilization
3. Purusarthachaturstaya, Varnasram Vyavastha & Sodas Sankaras
4. Indian Education System
5. Ecological Awareness in Indian Culture.

Recommended Readings

- कल्याण-हिन्दू संस्कृति विशेषांक, गीताप्रेस, गोरखपुर
- प्राचीन भारत में शिक्षा, डॉ.श्याम बिहारी पाठक, कला प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय संस्कृति, शिवदत्त 'ज्ञानी' राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय सनातन संस्कृतिः विविध आयाम, हर्ष नारायण, न्यूभारतीय बुक कोर्पोरेशन, दिल्ली
- भारतीय सभ्यता और संस्कृति का इतिहास, टी.एन.गुप्ता, न्यूभारतीय बुक कोर्पोरेशन, दिल्ली
- भारतीयसंस्कृतिः डॉ.दीपक कुमार, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीयसंस्कृतिः, आचार्य लोकमणि दहाल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- **Glories of India, P.K. Acharya,**



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-III

COURSE CODE- SNKT4018

CREDIT - 04

COURSE TITLE: भारतीयदर्शनम्

Nature of Course: Elective Course

Course Objectives:

The aim and objective of this course is to precisely develop a sincere understanding of the Vedanta philosophy as well as Mimamsa Philosophy in order to truly assess the great contributions of Indian Philosophy to the World as regards liberation of soul, realization of God.

Course Contents:

1. Introduction to Literature and Schools of Vedanta Philosophy.
2. Introduction to Literature of Mimamsa Philosophy.
3. Textual reading of Vedantasara.
4. Textual reading of Arthasamgraha.

Recommended Readings:

- अर्थसङ्ग्रह, लौगाक्षिभास्कर, व्याख्याकार- कामेश्वर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1983
- अर्थसङ्ग्रह, लौगाक्षिभास्कर, व्याख्याकार- वाचस्पति उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टलिया, वाराणसी- 1977
- भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास.
- भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी, 2001.
- मीमांसादर्शनविमर्शः, वाचस्पति उपाध्याय, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1976
- वेदान्तसार, सदानन्द, व्याख्याकार- आचार्य बदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1979
- वेदान्तसार, सदानन्द, व्याख्याकार- आचार्य राममूर्ति शर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2001
- वेदान्तसार, सदानन्द, व्याख्याकार- सन्तनारायण श्रीवास्तव, पीयूष प्रकाशन, इलाहाबाद, 1968.
- History of Indian Philosophy, S.N. Dasgupta, M.L.B.D, Delhi, 1975.
- Indian Philosophy, S. Radhakrishnan, Oxford University Press, 1990. (also Hindi Translation)
- Outline of Indian Philosophy, M. Hiriyanna, London, 1956.
- Philosophy of Advaita, T.M.P Mahadevan, Bharatiya Kala Prakashana, Delhi, 2006.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- III

COURSE CODE- SNKT4019

CREDIT - 04

COURSE TITLE: नव्यन्यायः

Nature of Course: Open Elective

Course Objectives:

The aim fosters to develop logical conclusions to improve and modify the logical epistemology and assist the scholars with a realistic and effective mode of learning. To develop an analysis of cognitive understanding used by other dramas and be more reliable and relevant. This would also develop and establish reason to raise analyze and solve conflicts by logic and Science of deduction.

Course contents:

1. Introduction of Navya Nyaya School of Thought.
2. Tradition Of Navya Nyaya in Mithila.
3. Text Reading- Navya Nyaya Bhasa Pradeepah of Maheshchandra Nyayaratna.

Recommended Readings

- History Of Navya-nyaya In Mithila by Bhattacharya, Dineshchandra,
- Navya Nyaya Philosophy of Language by Toshihiro Wada.
- Navya Nyaya System of Logic, by D.C Guha (Author)
- Navyanyayabhashapradipa of Maheshchandra Nyayaratna (Hindi translation with graphic notes by Prof. Ujjwala Jha, Published from Shrutabhavan Research Centre, 47/48 Achal Farm, Near Sachchai Mata Mandir, Katraj, Pune-411046.
- The Navya Nyaya Logic, by Vibha Gaur, Bharatiya Vidya Prakashan, Delhi.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

Select any one (Group-A / Group-B / Group-C / Group-D)

M.A. SEMESTER- IV

Group-A (वेदः)

COURSE CODE- **SNKT4020A**

CREDIT - 04

COURSE TITLE: वैदिकव्याकरणं व्याख्यापरम्परा च

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course is framed to introduce PG students for knowledge of Vedic Grammar and tools and techniques of interpretations of Vedic texts in the light of Sayana, Dayananda and Aurobindo's Commentary. The purpose of aforesaid course is acquired deep knowledge of Vedic Grammar and linguistics.

Course Content:

1. Introduction to Vedic Intellectual Tradition
2. Bhashyas of Sayana, Dayananda and Aurobindo- A comparative Study
3. Textual Study of Rigvedabhashyabhumika
4. Vedic Grammar

Recommended Readings:

- ऋग्वेदभाष्यभूमिका, महर्षिदयानन्द सरस्वती, परिमल पाब्लिकेशन्स, दिल्ली, २०१९।
- ऋग्वेद-संहिता, श्रीमत्सायणाचार्यविरचित-माधवीयवेदार्थप्रकाशसहिता, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, १९८४।
- वेदभाष्यभूमिकसंग्रहः, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, गोपाल मन्दिर लेन, वाराणसी।
- वैदिक मीमांसा, डॉ.शशिप्रभा कुमार, जे.पी.पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, १९९६
- वैदिक व्याकरण (शात्र संस्करण) मूल लेखक- अर्थर एन्थोनी मैकडानल, अनुवादक- डॉ.सत्यव्रत शास्त्री, मोतिलाल बनारसीदास, दिल्ली, २०१९।
- वैदिक व्याकरण, लेखक -डॉ. उमेश्चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- श्री अरविन्द, वेद रहस्य, श्री अरविन्द आश्रम, पण्डित्चेरी, पंचम आवृत्ति, २००९, अनु.- जगन्नाथ वेदालङ्कार, श्री अरविन्द आश्रम प्रेस पण्डित्चेरी।
- History and Principles of Vedic Interpretation, Dr. Ramgopal, Delhi: 1983
- Macdonell, A.A., *A Vedic Grammar for Students*, Delhi: Motilal Banarsidass, 1979.
- Rgbhasyabhumika, Sayana, Ed. Haridutt Shastri, Varanasi: Visvavidyalaya Prakashan, 1972.
- Sri Aurobindo: Secret of the Veda, Sabda distributor of the Sri Aurobindo Ashram Publications, Third edition 1971, Pondicherry.
- Vedic Bibliography, R.N. Dandekar, Pune: BORI, 1978.
- Vedic Hermeneutics, K.S. Murthy, Delhi: MLBD, 1993.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV Group-A (वेदः)

COURSE CODE-
COURSE TITLE:

SNKT4021A
ब्राह्मणसाहित्यम्

CREDIT - 04
Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course interoperates history and structure of Brahmana literature with special relevance to Shatapatha and Aitareya Brahmana. The course provides tools of transmissions which is inherent in Brahmana text. The purpose of this course is to trained students in such a manner so that they would be able to possess scientific knowledge of Brahmana text in both theoretically and practically.

Course Contents:

1. Introduction to Brahmana Literature
2. Techniques of text Transmission
3. Vedic Prose - Shatapatha Brahmana (Pratham Kanda) Vajapeya yaga.
4. Vedic Prose - Aitareya Brahmana (Shunah shepakhyana)

Recommended Readings:

- शतपथ ब्राह्मण, डॉ. उर्मिला देवी शर्मा, मेहेरचन्द्र लछमनदास पाब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 1982.
- शतपथ ब्राह्मण, स्वामी समर्पणानन्द, वैदिक शोध संस्थान, साहिबाबाद
- शतपथब्राह्मण, स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, Vijay Kumar Govindram Hasanand, 2014.
- शतपथब्राह्मणम्, युगल किशोर मिश्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
- श्रीमद्वाजसनेयिमाध्यन्दिन-शतपथब्राह्मणम्, सायणाचार्य विरचित वेदार्थप्रकाश व्याख्या सहित, सर्व विद्यानिधान कविन्द्राचार्य सरस्वती श्री हरिस्वामी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, 1990.
- Dandekar, R.N., *Vedic Bibliography*, (Vol. I and II), Pune: Bhandarkar Oriental Research Institute, 1978.
- *Shatapatha Brahmana*, (ed. tr.) G.P. Upadhyaya, Delhi: R. I.A.S.S., 1967.
- *The Texts of the White Yajurveda*, (Eng. tr.) R.T.H. Griffith, Delhi: Munshiram Manoharlal, 1987.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV Group-A (वेदः)

COURSE CODE- SNKT4022A

COURSE TITLE: वैदिकसूक्तम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course is intending to introduce the selected Hymns of Yajurveda and Atharvaveda Samhitas with deep introduction of Samhitas. The purpose of this course is to build nationalistic innovative cognition by following the Vedas as an authority.

Course Contents:

1. Introduction to Yajurveda Samhita
2. Introduction to Atharvaveda Samhita
3. Readings of Yajurveda Samhita - (Shivasankalpasukta-34, 1-6)
4. Readings of Atharvaveda – (Rashtrabhivardhan sukta- 1.29), Prithvi Sukta (1.20)

Recommended Readings:

- अथर्ववेद संहिता, सं. एवं अनु. श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, वैदिक स्वाध्याय मण्डल पारडी, १९५०
- अथर्ववेद संहिता, सायणभाष्य सहित, सं. विश्वबन्धु, विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, १९६२
- यजुर्वेद संहिता, महर्षिदयानन्दभाष्य सहित, सं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, सोनीपत, १९६१
- शुक्ल-यजुर्वेद, (अनु.) टी. एच. ग्रिफिथ, वाराणसी, १९२७
- *Hymns of the Atharvaveda*, (Eng. tr.), R.T.H. Griffith, Delhi.
- Shukla-Yajurveda- Samhita, Pt. Jagdish Lal Shastri, MLBD, 2007



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-IV

Group-A (वेदः)

COURSE CODE- SNKT4023A

CREDIT - 04

COURSE TITLE: उपनिषत्साहित्यम्

Nature of Course: Open Elective

Course Objectives:

The course attempts to introduce the conceptual knowledge of Aupanishadik literature by foundational text relating to aupanishadik literature. The course is conceived as an integral study and focuses on the ultimate meaning of Vedas in applied form with intuitional knowledge.

Course Content:

1. Structural discourse on Aupanishadik Literature
2. Ethical Value of Upanishads
3. Textual interpretation of Brihadaranyakoponishad (Yajnavanka- Maiyetri sambad).
4. Textual interpretation of Mundokoponishad.

Recommended Readings:

- उपनिषदों का संदेश, डॉ. एस. राधाकृष्णन्, राजपाल एण्ड सन्स, १९५१
- उपनिषद् दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण, आर.डी. रानाडे, अनु. रामानन्द तिवारी, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, १९७१
- बृहदारण्यकोपनिषद्, शाङ्करभाष्य- आनन्दगिरि, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, 2008.
- बृहदारण्यकोपनिषद्, श्रीराम शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, 2008.
- बृहदारण्यकोपनिषद्, सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर, २०१४
- बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिकम्, सुरेश्वराचार्यकृत, श्रीमदानन्दगिर्याचार्यविरचित शास्त्रप्रकाशिका संस्कृत टीका सहित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, 2008.
- मुण्डकोपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर।
- मुण्डकोपनिषद्, शाङ्करभाष्य- आनन्दगिरि, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, 2008.
- मुण्डकोपनिषद्, स्वामी चिन्मयानन्द, Central Chinmaya Mission, 2010.
- मुण्डकोपनिषद्, स्वामी प्रखर प्रज्ञानन्द सरस्वती, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, २०१२
- वैदिक विचार-धारा का वैज्ञानिक अध्ययन, डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली, २००२
- Eight Upanishads, (Eng. tr.) Swami Gambhiranand, Calcutta: Advaita Ashram, 1977.
- Gita Press, Gorakhpur, publishes Hindi translations with Shankara Bhashya of all the major Upanishads.
- Principal Upaniads, (Eng. tr.), Dr.S. Radhakrishnan, Calcutta: Rupa & Co., 1989.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV

Group-A (वेदः)

COURSE CODE- SNKT4024A

COURSE TITLE: परियोजनाकार्यम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course aims at inculcating among student's basic orientation towards research by means of innovation and different research methods. The adoption of project by a researcher is designed to enable the scholar to carry out a general projection of the existing data to reach a valid conclusion for the welfare of society and humanity.

Course Contents:

1. Study of Project descriptions and conceptual objectives.
2. Activity, Methodology and information.
3. Outcomes and evaluation procedures.

The project work would be taught and supervised by the respective teachers of the department. And this paper would be divided into 80% percent marks for the dissertation and 20% percent marks for the viva.

The Viva would be conducted by a panel of 3 teachers constituted by the head of the department under his Chairmanship. The evaluation of Dissertation would be done by the concerned teacher who has taught and guided the students.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER –IV Group-B (साहित्यम्)

COURSE CODE- **SNKT4020B**
COURSE TITLE- संस्कृतकाव्यशास्त्रम्

CREDIT - 04
Nature of Course: Core course

Course Objectives:

The purpose is to familiarize the students with Sanskrit Poetics and its descriptions in various aspects and order of Sanskrit Literature, to explore and enlighten the indispensable foundations of Sanskrit Poetics and to inculcate and infuse an exploratory critical analysis amongst the students

Course Contents:

1. Introduction to text and Author, Definition of poetics.
2. History of Sanskrit Poetics literature and significance of Alamkaras.
3. kavyaprakash of Mammata (9th, 10th Ullasa). (Anuprasa, Yamak, Vakrokti, Upama, Rupaka, Dipak, Atishayokti)
4. Rasagangadhara of Panditraja Jagannatha. (1st Anan- rasa swarupnirupan)

Recommended Readings:

- काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड
- काव्यप्रकाश, वासुदेव शास्त्री अभ्यंकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- काव्यप्रकाश, सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- काव्यप्रकाश, हरिशंकर शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- काव्यप्रकाशः, भट्टवामनाचार्येण प्रणीतम्, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- रसगङ्गाधर, डॉ.मदन मोहन झा, दिल्ली
- रसगङ्गाधर, श्रीबदरीनाथ झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- रसगङ्गाधर, पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी,
- रसगङ्गाधरः, व्याख्या. प्रो. श्रीनारायण मिश्र



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV Group-B (साहित्यम्)

COURSE CODE- SNKT4021B
COURSE TITLE- नाट्यशास्त्रम्

CREDIT - 04
Nature of Course: Core course

Course Objectives:

The purpose is to accredit and impart the Scholars with the fundamental principles, origin and meaning of Dramaturgy with an elaborate definition of Poetics and familiarize the conception of Rasa in Drama indulging in a critical analysis specifically to get the basic knowledge of drama as a classification.

Course Contents:

1. Introduction to text and Author, Definition of poetics.
2. Origin of Dramaturgy, and significance of Dramas.
3. Natyashastra with Abhinava Bharati (Chapter-6)
4. Dasharupaka (1st and 2nd chapter)

Recommended Readings

- दशरूपकम्, प्रो. रामजी उपाध्याय: भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी.
- दशरूपकम्, बैजनाथ पाण्डेय, मोतिलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, दिल्ली
- नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी.
- नाट्यशास्त्र, आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी, आर्यन बुक् इंटरनेशनल, 2005.
- नाट्यशास्त्र, प्रो. बाबुलाल शुक्ल शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- नाट्यशास्त्रम्, ब्रजमोहन चतुर्वेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनव दर्पण, वाचस्पति गैरेला, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली.
- हिन्दी दशरूपक, डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर.
- हिन्दी दशरूपक, डॉ. भोला शंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
- Natyashastra of Bharatmuni, Ed. R.S. Nagar, Parimal Publication, Delhi.
- Philosophical Reflections in the Nai-adhacarita, Harekrishna Meher, Punthi-Pustak, Calcutta, 1989.
- Sanskrit Nataka (A.B Keith), Translate by Udaybhanu Singh, MLBT, Delhi.
- Studies in Dramatic Criticism, T.G. Mainkar, MLBD, Delhi.
- The Sanskrit Drama, A.B. Keith, Oxford University Press, 1964.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV Group-B (साहित्यम्)

COURSE CODE- SNKT4022B
COURSE TITLE- संस्कृतनाटकम्

CREDIT - 04
Nature of Course: Core course

Course Objectives:

To acquaint the learners with the growth and development of drama in Sanskrit Literature, to infuse fundamental concepts of Sanskrit Drama and develop a critical approach among students towards drama as a genre and categorization and to enlighten various trends of Sanskrit drama.

Course Contents:

1. Introduction to text and Author.
2. Mudrarakshasa of Vishakhadutta.
3. Mrichchakatika of Sudraka.

Recommended Readings

- मुद्राराक्षस, श्री जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
- मुद्राराक्षस, श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी.
- मृच्छकटिक- (पृथ्वीधरकृत टीका सहित), निर्णयसागर प्रेस, बम्बई.
- मृच्छकटिक, विश्वनाथ शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर, 1999.
- मृच्छकटिक, शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनैतिक अध्ययन, शालीग्राम द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- मृच्छकटिकम्, तारिणीष झा, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- मृच्छकटिकम्, श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- Mrcchakatika, M.R. Kale, M.L.B.D., Delhi.
- Mrcchakatika, V.R. Nerurkar, New Bharatiya Book Corporation, Delhi.
- Sanskrit Natak (A.B Keith), Translate by Udaybhanu Singh, MLBT, Delhi.
- Studies in Dramatic Criticism, T.G. Mainkar, MLBD, Delhi.
- The Sanskrit Drama, A.B. Keith, Oxford University Press, 1964.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV Group-B (साहित्यम्)

COURSE CODE- **SNKT4023B**

CREDIT - 04

COURSE TITLE- आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्

Nature of Course: Open Elective

Course Objectives:

To accustom and apprise the Scholars with the fundamentals of Modern Sanskrit Literature and implement the importance of the study of Modernism in the contemporary Sanskrit Literature and to impart the Scholars with the knowledge of the characteristic features of Modern Sanskrit Literature as compared to Traditional Sanskrit Literature and even to familiarize the scholars with different modern techniques to evaluate a text phenomenally and specifically.

Course Contents:

1. Introduction to Modern Sanskrit Literature.
2. Composition of tradition of Modern Sanskrit literature.
3. Mattavarini of Abhiraj Rajendra Mishra.

Recommended Readings:

- आधुनिक काल का संस्कृत गद्य साहित्य, डॉ. कलानाथ शास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, 1995.
- आधुनिक संस्कृत काव्य परम्पराएँ, केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, २०००.
- आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची, राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, 2002.
- भारतवर्षे आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्, शुभ्रजित् सेनः, संस्कृत पुस्तक भाण्डार, कोलकाता, २०१९।
- मत्तवारणी, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, वैजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद,
- विंशशताब्दीयसंस्कृतमहाकाव्यम्, राजेन्द्र मिश्र, दिल्ली संस्कृत आकादमी, दिल्ली,
- संस्कृत साहित्य- बीसवी शताब्दी, राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली, १९९९.
- Post-Independence Sanskrit Literature : Article survey, Manibhai k Prajapati, Poona 2005.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-IV Group-B (साहित्यम्)

COURSE CODE- **SNKT4024B**
COURSE TITLE: परियोजनाकार्यम्

CREDIT - 04
Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course aims at inculcating among student's basic orientation towards research by means of innovation and different research methods. The adoption of project by a researcher is designed to enable the scholar to carry out a general projection of the existing data to reach a valid conclusion for the welfare of society and humanity.

Course Contents:

1. Study of Project descriptions and conceptual objectives.
2. Activity, Methodology, and information.
3. Outcomes and evaluation procedures.

The project work would be taught and supervised by the respective teachers of the department. And this paper would be divided into 80% percent marks for the dissertation and 20% percent marks for the viva.

The Viva would be conducted by a panel of 3 teachers constituted by the head of the department under his Chairmanship. The evaluation of Dissertation would be done by the concerned teacher who has taught and guided the students.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV Group-C (दर्शनम्)

COURSE CODE- SNKT4020C
COURSE TITLE- सर्वदर्शनसङ्ग्रहः

CREDIT -04
Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course aims at acquainting the students with Indian Philosophical Models. It categorically introduces the learners to the Atheist / Materialist Philosophy epitomized by Charvaka, Jainism and Buddhism.

Course Contents:

1. Introduction to Indian Philosophy.
2. Basic concept of Philosophical literature.
3. Introduction and Philosophical concept of Buddhist Philosophy, Jain Philosophy and Charvaka Philosophy.

Recommended Readings:

- चार्वाक दर्शन, आचार्य आनन्द झा, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- चार्वाक दर्शन, दक्षिणारञ्जन शास्त्री, पश्चिमबङ्ग राज्य पुस्तक पर्षत्, कलकाता।
- जैनदर्शन, डॉ. महेन्द्रकुमार जैन, श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, काशी।
- षड्दर्शन-रहस्य, पं. रङ्गनाथ पाठक, राष्ट्रभाषा परिषद, पाटना, १८८०
- सर्वदर्शनसंग्रह, प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी २००९.
- सर्वदर्शनसंग्रहः, माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
- सर्वदर्शनसंग्रहः, वासुदेवशास्त्रिविरचितया दर्शनाङ्कुराभिधया व्याख्यया समेतः, प्राच्यविद्यासंशोधनमन्दिर, मुम्बाई।
- SARVA-DARSANA-SAMGRAHA, T.G. Mainkar, Bhandarkar Oriental Research Institute.
- SARVADARSHAN SAMGRAH, Pandit Udaya Narayan Singh, Khemraj Shrikrishnadas Publication, Bombay.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV

Group-C (दर्शनम्)

COURSE CODE- SNKT4021C

COURSE TITLE- न्याय-वैशेषिकदर्शनम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

The aim and objective of this course is to intimate the students with the basic knowledge of the creation of the universe as well as the ultimate purpose of life. Besides, the Yoga Philosophy is designed to make the students aware of different ways and means to attain liberation.

Course Contents:

1. Concepts and Introduction of Nyaya Philosophy.
2. Nature and Speculations of Nyaya Philosophy.
3. Comparison and analogy of Vaisheshika Philosophy (Shabdakhanda).
4. Vaisheshika Reflections on Contemporary Society.
5. Vaisheshiksutrapaskara of Vaisheshika Philosophy.

Recommended Readings:

- न्यायदर्शन, उदयवीरशास्त्री, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली
- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य, व्याख्या. कृष्णवल्लभाचार्य, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, १९९०.
- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य, व्याख्या. गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, १९९१.
- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य, व्याख्या. धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री, मोतिलाल बनारसीदास, दिल्ली, २०००.
- वैशेषिक दर्शन परिशीलन, डॉ. शशिप्रभा कुमार, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली.
- वैशेषिकदर्शन में पदार्थ निरूपण, डॉ. शशिप्रभा कुमार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली.
- वैशेषिकदर्शनम्, उदयवीरशास्त्री, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली
- वैशेषिकसूत्रम्, कणाद
- वैशेषिकसूत्रोपस्कार, शंकरमिश्र, व्याख्या. आचार्य दुण्ढिराज शास्त्री, सम्पादक श्री नारायण मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, १९६९.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV

Group-C (दर्शनम्)

COURSE CODE- SNKT4022C

COURSE TITLE- अद्वैतवेदान्तदर्शनम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course is designed to introduce the students to the ontology of the reality this universe. To acquaint the learners with the basic concept of causes of human suffering and attainment of emancipation through self- realization.

Course Contents:

1. Concepts and Introduction of Vedanta Philosophy.
2. Nature and Speculations of Vedanta Philosophy.
3. Bramhasutrashankar Bhashyam (Chatussutri).
4. Vedanta Reflections on Contemporary Society.

Recommended Readings:

- ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्, व्याख्या. श्रीगोविन्दानन्द, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, 1986
- ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्, स्वामी श्री हनुमानदास जी षट्शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2010
- वेदान्तदर्शन, हरिकृष्णदास, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2009
- शङ्कराचार्य, उमादत्त शर्मा, दी पापुलार ट्रेसिंग कम्पानि, कलकत्ता, 1988
- Brahma sutra, Sri Swami Sivananda, The Divine Life Society, Garhwal
- The work of Sri Sankaracharya, Sri VadiVilas Press Srirangam.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-IV

Group-C (दर्शनम्)

COURSE CODE- SNKT4023C

CREDIT -04

COURSE TITLE- योगदर्शनं मीमांसादर्शनञ्च

Nature of Course: Open Elective

Course Objectives:

This course aims at introducing the students to the concept of Yoga-mimamsa Philosophy. The objective of the course is to enable the students to experience the perception as valid source of knowledge. To acquaint the students with various methods of valid sources to know the Reality / Truth.

Course Contents:

1. Concepts and Introduction of Yoga Philosophy &. Mimamsa Philosophy.
2. Text reading – Yogadarshan (Sadhan Pada)
3. Nature and Speculations of Yoga Philosophy.
4. Text reading – Shabarhashya (Tarkapada)
5. Mimamsa Reflections on Contemporary Society.

Recommended Readings:

- कल्याणाङ्क-योग, गीताप्रेस, गोरखपुर
- पातञ्जलयोगसूत्रम्, डॉ. महाप्रभुलाल गोस्वामी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- पातञ्जलयोगसूत्राणि, हरिनारायण आप्टे, आनन्दाश्रम मुद्रणालय
- पूर्वमीमांसादर्शनम्, महादेव शास्त्री, गवर्नमेन्ट ब्राञ्च प्रेस, मैसूर
- मीमांसादर्शन, श्री पट्टाभिरामशास्त्री, रमेश बुक् डिपो, जयपुर
- मीमांसादर्शनम्, आचार्य उदयवीर शास्त्री, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली.
- मीमांसादर्शनम्, डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- मीमांसादर्शनम्, विद्याभास्कर, पं. देवदत्तशर्मोपाध्याय, सत्यधर्म प्रकाशन
- योगसूत्रभाष्यम्, स्वामी सच्चिदानन्द योगी सरस्वती, सच्चिदानन्द योग मिशन, दिल्ली
- योगसूत्रम्, सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
- The Purva Mimamsa Sutras of Jaimini. Pt. Ganganath Jha.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV

Group-C (दर्शनम्)

COURSE CODE- SNKT4024C

COURSE TITLE- परियोजनाकार्यम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course aims at inculcating among student's basic orientation towards research by means of innovation and different research methods. The adoption of project by a researcher is designed to enable the scholar to carry out a general projection of the existing data to reach a valid conclusion for the welfare of society and humanity.

Course Contents:

1. Study of Project descriptions and conceptual objectives.
2. Activity, Methodology, and information.
3. Outcomes and evaluation procedures.

The project work would be taught and supervised by the respective teachers of the department. And this paper would be divided into 80% percent marks for the dissertation and 20% percent marks for the viva.

The Viva would be conducted by a panel of 3 teachers constituted by the head of the department under his Chairmanship. The evaluation of Dissertation would be done by the concerned teacher who has taught and guided the students.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER-IV

Group-D (व्याकरणम्)

COURSE CODE- SNKT 4020D

CREDIT - 04

COURSE TITLE- व्याकरणमहाभाष्यम्

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This COURSE is framed to introduced origin and development of Sanskrit Grammatical Traditions in the light of origin available resources. The purpose of this course is to train aspirant in the field of Sanskrit Linguistics, Phonetics and Methodology of pronunciations of Sanskrit language.

Course Contents:

1. Introduction to theory of Sanskrit
2. Grammatical Text and Thinkers
3. Textual study of Mahabhashya (Paspashahnikam)

Recommended Readings:

- महाभाष्यसमीक्षणम्, व्याख्याकार- डॉगिरीश चन्द्र त्रिपाठी, श्रीबटुकप्रकाशनम्, हरिद्वार
- व्याकरण-महाभाष्य, अनुवादक विवरणकार, चारुदेव शास्त्री, श्रीमोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- व्याकरणमहाभाष्यम् – टीकाकार- पं० मधुसूदनमिश्र, सम्पादक- आचार्ययुधिष्ठिरमीमांसक, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- व्याकरणमहाभाष्यम् (पतंजलि)- टीकाकार- डॉ हरिनारायण तिवारी- चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV

Group-D (व्याकरणम्)

COURSE CODE- **SNKT4021D**

CREDIT - 04

COURSE TITLE- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course deals the structural analysis of Sanskrit language in Philosophical way for understanding of Sanskrit grammar and its relevance in intellectual traditions. The purpose of this course is to interpret the philosophical model of word, meaning and its relevance, so that aspirants could get the deep knowledge of Sanskrit linguistics.

Course Contents:

1. Introduction to text and Author.
2. Purpose of Grammar.
3. Textual study of Atmanepada-Parasampad Vidhanam.
4. Textual study of Tadditpakaranam (Mattvarthi Pratyaya).

Recommended Readings:

- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभरती प्रकाशन, वाराणसी.
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतिलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, श्री प्रभाकर मिश्र, चौखम्बा अरियन्टालिया, वाराणसी.
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, सम्पा.- श्रीगुरुप्रसादशास्त्री, श्रीसीतारामशास्त्री, प्रो. बालशास्त्री,



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV

Group-D (व्याकरणम्)

COURSE CODE- SNKT4022D

CREDIT - 04

COURSE TITLE- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This Course is intended to student's pedagogical method of Sanskrit grammar and its application with special reference to Samasa and Stripratyayas.

Course Contents:

1. Introduction: Concept of language, logic and reality
2. Samasa- Avyayibhava, Tatpurusha, Bahuvrihi and Dvandva.
3. Stri-Pratyaya.

Recommended Readings:

- पाणिनीयव्याकरणे स्त्रीप्रत्ययानामध्ययनम्, ग्रन्थकारः-डॉ. शिवकान्त झा, हंसा प्रकाशन, जयपुर, १९९४.
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (द्वितीयभाग), व्याख्याकार-गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारतीप्र काशन, वाराणसी,
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (द्वितीयोभागः), व्या० महामहोपाध्याय गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००६
- समाससन्दर्शिका- लेखक डॉ.बालगोविन्द झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी १९९०
- सिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरण), व्या० आद्याप्रसादमिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV

Group-D (व्याकरणम्)

COURSE CODE- SNKT4023D

CREDIT - 04

COURSE TITLE- वाक्यपदीयम्

Nature of Course: Open Elective

Course Objectives:

This Course introduces Philosophical model Sanskrit grammar. The purpose of this course is to acquire the knowledge of language thought and reality.

Course Contents:

1. The Nature of Word.
2. The Nature of Sphot.
3. Relationship between Dhvani and Sphot.
4. Vakyapadiya- Bramhakanda.

Recommended Readings:

- वाक्यपदीयब्रह्मकाण्डः-व्याख्याकारः-पण्डितवेदान्तझा,मन्दाकिनीसंस्कृत विद्वत्परिषद्,दिल्ली,2002
- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्) अम्बाकर्त्रीव्याख्यायुतम्, व्याख्याकारः- पण्डितरघुनाथशर्मा, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, १९८८
- वाक्यपदीयम्(ब्रह्मकाण्डम्), विवरणकार- डॉशिवशङ्करअवस्थी, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 2006
- Vakyapadiya of Bhartrihari, critically edited by K A S Iyer, Deccan College, Poona 1966



DEPARTMENT OF SANSKRIT

M.A. SEMESTER- IV

Group-D (व्याकरणम्)

COURSE CODE- SNKT4024D

COURSE TITLE- परियोजनाकार्यम्

CREDIT - 04

Nature of Course: Core course

Course Objectives:

This course aims at inculcating among students basic orientation towards research by means of innovation and different research methods. The adoption of project by a researcher is designed to enable the scholar to carry out a general projection of the existing data to reach a valid conclusion for the welfare of society and humanity.

Course Contents:

1. Study of Project descriptions and conceptual objectives.
2. Activity, Methodology, and information.
3. Outcomes and evaluation procedures.

The project work would be taught and supervised by the respective teachers of the department. And this paper would be divided into 80% percent marks for the dissertation and 20% percent marks for the viva.

The Viva would be conducted by a panel of 3 teachers constituted by the head of the department under his Chairmanship. The evaluation of Dissertation would be done by the concerned teacher who has taught and guided the students.